# 2017 (A)

# सामाजिक विज्ञान

## प्रथम पाली (First Sitting)

समय : 2 घंटे 45 मिनट ]

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :** 2013 (A) का निर्देश देखें। [ पूर्णांक : 80

## ग्रुप-A : इतिहास (20 अंक)

**निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।**

**1. रूस में कृषक दास प्रथा का अंत कब हुआ?**
(क) 1861 (ख) 1862 (ग) 1860 (घ) 1870 1

**2. लंदन में अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा कब लागू हुई?**
(क) 1850 (ख) 1855 (ग) 1860 (घ) 1870 1

**3. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।**
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष ..... थे। 1

**4. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।**
सन् ..... में मजदूर संघ अधिनियम पारित हुआ। 1

**5. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
औद्योगिकीकरण से आप क्या समझते हैं? 3

**6. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
1929 के आर्थिक संकट के कारणों का संक्षेप में वर्णन करें? 3

**7. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
साम्यवाद एक नयी आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था थी। कैसे? 3

**8. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।**
रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना करें। 7

**अथवा,**

मुद्रण क्रांति ने आधुनिक विश्व को कैसे प्रभावित किया?

## ग्रुप-B : भूगोल (20 अंक)

**निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।**

**9. काली मृदा का दूसरा नाम क्या है?** 1
(क) बलूई मृदा (ख) रेगुर मृदा (ग) लाल मृदा (घ) पर्वतीय मृदा

**10. भारत का राष्ट्रीय पक्षी कौन है?** 1
(क) कबूतर (ख) हंस (ग) मयूर (घ) तोता

**11. सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।**
(i) ऊर्जा संकट से बचने के लिए प्रथमतः ऊर्जा ..... में मितव्ययिता बरती जाए। 1
(ii) भाखड़ा नांगल परियोजना ..... नदी पर स्थित है। 1

A ONLINE SOLUTION

24. **निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें।** 3
वस्तु विनिमय क्या है?

25. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।** 2
सहकारिता से आप क्या समझते हैं?

26. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।** 3
वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं?

27. **निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।** 3
बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के क्या कारण हैं? बिहार के पिछड़ेपन को दूर करने के किन्हीं दो उपायों को लिखें।

**अथवा,** 7

'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986' की मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें?

## ग्रुप-E : आपदा प्रबंधन (6 अंक)

**निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।**

28. **बाढ़ क्या है?** 1
(क) प्राकृतिक आपदा (ख) मानव जनित आपदा
(ग) सामान्य आपदा (घ) इनमें से कोई नहीं

29. **बाढ़ से सबसे अधिक हानि होती है** 1
(क) फसलों को (ख) पशुओं को (ग) भवनों को (घ) उपरोक्त सभी को

30. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।** 4
भूकंप के प्रभावों को कम करने वाले चार उपायों को लिखें।

## उत्तर (Answers)

1. (क) 2. (घ) 3. व्योमेचन्द्र बनर्जी 4. 1926

5. अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में वस्तुओं की उत्पादन तकनीक तथा संगठन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए जिनके फलस्वरूप एक नये प्रकार की अर्थव्यवस्था का जन्म हुआ जिसे औद्योगिक अर्थव्यवस्था कहते हैं। इन्हीं परिवर्तनों को औद्योगिकीकरण कहते हैं।

6. 2011 (A) के प्रश्न-संख्या 10 का उत्तर देखें।

7. 2014 (A) (प्रथम पाली) के प्रश्न-संख्या 6 का उत्तर देखें।

8. रूसी क्रांति का रूस पर निम्नलिखित प्रभाव पड़ा—

(i) **सर्वहारा वर्ग के सम्मान में वृद्धि :** रूसी क्रांति के द्वारा सर्वहारा वर्ग की प्रधानता पहली बार विश्व में स्वीकार की गयी। यह क्रांति मध्ययुगीन सामन्ती और रूढ़िवादी समाज के अवशेषों को समाप्त कर दिया था और समता एवं न्याय पर आधारित एक नये आधुनिक समाज की स्थापना की। विश्व के देशों में किसानों और मजदूरों का सम्मान बढ़ गया।

(ii) **साम्राज्यवाद के पतन की प्रक्रिया तीव्र :** बोल्शेविक क्रांति के फलस्वरूप पराधीन राज्यों के इतिहास में एक नये युग का प्रारंभ हुआ। बोल्शेविक-रूस ही यूरोप का पहला देश था, जिसने स्वेच्छा से साम्राज्य को अस्वीकार कर अपने अधीन पराधीन राज्यों को मुक्त कर दिया। इससे प्रेरित होकर समाजवादियों ने सम्पूर्ण विश्व में साम्राज्यवाद के विनाश के लिए अभियान तेज कर दिया।

(iii) **साम्यवादी सरकारों की स्थापना :** रूसी क्रांति के बाद रूस में सर्वप्रथम साम्यवादी सरकार की स्थापना हुई। फलस्वरूप साम्यवाद काफी लोकप्रिय हो गया। रूस की साम्यवादी सरकार को देखकर संसार के अन्य देशों, जैसे—चीन और वियतनाम आदि देशों में भी साम्यवादी सरकारों की स्थापना हुई।

(iv) **श्रम संगठनों की स्थापना :** रूसी क्रांति की सफलता के परिणामस्वरूप श्रमिक के ऊपर हो रहे अत्याचारों में विश्व स्तर पर कमी आयी। श्रमिकों के बारे में चिन्ता किया जाने लगा। जब राष्ट्रसंघ की स्थापना हुई तो उसके अधीन 'अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' का निर्माण किया गया। इसका उद्देश्य श्रमिकों की दशा में सुधार करना था।

AA ONLINE SOLUTION

(v) **अन्तर्राष्ट्रवाद को प्रोत्साहन :** समाजवादी विचारधारा के प्रचार-प्रसार से अन्तर्राष्ट्रवाद को प्रोत्साहन मिला। सिद्धान्त रूप में विश्व के सभी राष्ट्रों ने ऐसा महसूस किया कि दूसरे राष्ट्रों के साथ उनके सम्बन्ध का आधार मात्र अपना-अपना स्वार्थ ही नहीं होना चाहिए। फलस्वरूप अब अनेक राष्ट्रीय समस्याओं को अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं का रूप प्रदान कर उनका शांतिपूर्ण समाधान ढूँढ़ने का प्रयास किया जाने लगा।

**अथवा,**

मुद्रण क्रांति ने आधुनिक विश्व को अनेक प्रकार से प्रभावित किया। इसने आमलोगों की जिंदगी ही बदल दी। आमलोगों का जुड़ाव सूचना; ज्ञान, संस्था और सत्ता से नजदीकी स्तर पर हुआ। फलस्वरूप लोक चेतना एवं दृष्टि में बदलाव संभव हुआ।

मुद्रण क्रांति के फलस्वरूप किताबें समाज के सभी तबकों तक पहुँच गईं। इससे पढ़ने की एक नई संस्कृति विकसित हुई। एक नया पाठक वर्ग पैदा हुआ। पहले जनता सुनने वाली थी, अब पढ़ने वाली जनता तैयार हो गई। पढ़ने से उनके अन्दर तार्किक क्षमता का विकास हुआ।

मुद्रण क्रांति ने धार्मिक क्षेत्र पर गहरा प्रभाव डाला। किताबों के प्रचार-प्रसार से वाद-विवाद का द्वार खुला। स्थापित राजनीतिक एवं धार्मिक मान्यताओं पर नए सिरे से विचार आरंभ हुआ। बौद्धिक माहौल का निर्माण हुआ एवं धर्मसुधार आन्दोलन के नए विचारों का फैलाव बड़ी तेजी से आमलोगों तक हुआ।

मुद्रण क्रांति के फलस्वरूप प्रगति और ज्ञानोदय का प्रकाश यूरोप में फैल गया। लोगों में निरंकुश सत्ता से लड़ने हेतु नैतिक साहस का संचार होने लगा। फलस्वरूप फ्रांसीसी क्रांति के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण हुआ।

मुद्रण क्रांति से भारत में भी राष्ट्रीय आन्दोलन को फैलाने में बहुत मदद मिली। देश में अनेक राष्ट्रवादी अखबार छपने लगे। राष्ट्रवादी नेता अपने विचार समाचारपत्रों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाने लगे। इसने सम्पूर्ण भारत को एकता के सूत्र में बाँधने, विभिन्न समुदायों की बीच की दूरी समाप्त करने एवं शोषण के विरुद्ध जनमत तैयार करने का कार्य कर राष्ट्रीय आन्दोलन एवं राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को तीव्र किया।

मुद्रण क्रांति से मुद्रण कला की तकनीकी विकास भी तेजी से हुआ। अब बिजली से चलने वाले बेलनाकार मशीनें भी बाजार में आ गईं। अब प्रेस केवल धर्मप्रचार का ही साधन नहीं रहा, बल्कि ज्ञान-विज्ञान तथा विचारों के फैलाव का माध्यम बन गया।

9. (ख) 10. (ग) 11. (i) खपत (ii) सतलज

12. जल एक महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। इसकी महत्ता प्राचीन काल से ही रही है। इसका उपयोग पेयजल, सिंचाई, उद्योग, घरेलू कार्य, जल विद्युत का निर्माण, मत्स्य पालन, पर्यटन विकास, वानिकी, जन-स्वास्थ्य तथा मल-मूत्र विसर्जन इत्यादि कार्यों में होता है।

13. खनिज भूपर्पटी से प्राप्त वह पदार्थ है जिनमें चट्टानों के विपरीत साधारणतया एक विशेष प्रकार की रसायनिक संरचना होती है। यह किसी देश के सबसे महत्वपूर्ण संसधन होते हैं। यह आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को आधार प्रदान करते हैं। ये तत्त्वों के रसायनिक संयोग से बनते हैं, जो बहुत ही उपयोगी होते हैं।

14. पेट्रोलियम ताप एवं प्रकाश के लिए ईंधन, मशीनों को स्नेहक और अनेक विनिर्माण उद्योगों को कच्चा माल प्रदान करता है। तेल शोधन शालाएँ संश्लेषित वस्त्र, उर्वरक तथा असंख्य रसायन उद्योगों में एक नोडीय बिन्दु का काम करती है। हमारे आवागमन के साधन के साथ आज के आर्थिक युग में पेट्रोलियम से निर्मित वस्तुओं का उपभोग ज्यादा होता है। वस्तुतः वह किसी भी रूप में हो।

15. प्रदूषण नियंत्रण के उपाय के बारे में जानने से पूर्व हम यह जान लें कि प्रदूषण आज के इस आधुनिक युग में हमें बहुत प्रभावित कर रहा है। आज हम जिन साधनों का उपयोग अपनी दैनिक दिनचर्या में अपने आराम के लिए करते हैं वो एक तरह से हमें शारीरिक रूप से आराम प्रदान करते हैं, वहीं हम कहीं न कहीं से वातावरण को प्रदूषित करने का भागीदारी बनाते हैं।

प्रदूषण को नियंत्रण करने के कुछ उपायों का वर्णन इस प्रकार है—

(i) **हरियाली :** सर्वप्रथम अगर हम पेड़-पौधे लगाएँ और वृक्षों को कटने से बचाना होगा। ज्यादा-से-ज्यादा हमें खुद को प्रकृति की ओर ले जाना होगा।

(ii) **भौतिक समान का उपयोग कम :** हम जितना भी अपने निजी जीवन में भौतिक समानों का उपयोग कम करेंगे तब भी हम प्रदूषण पर नियंत्रण पा सकते हैं।

AA ONLINE SOLUTION

(iii) **यातायात के साधनों में नियंत्रण** : आज के इस आपाधापी में हम जितना यातायात के साधनों का उपयोग करते हैं उतना ही धुएँ से प्रदुषण बढ़ता है। वातावरण प्रदुषित होता है।

(iv) **शिक्षा एवं जागरूकता** : प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हमें शिक्षा और जागरूकता दोनों जरूरी है ताकि लोगों में जागरूकता हो सके और प्रदूषण का नियंत्रण हो सके।

**अथवा,**

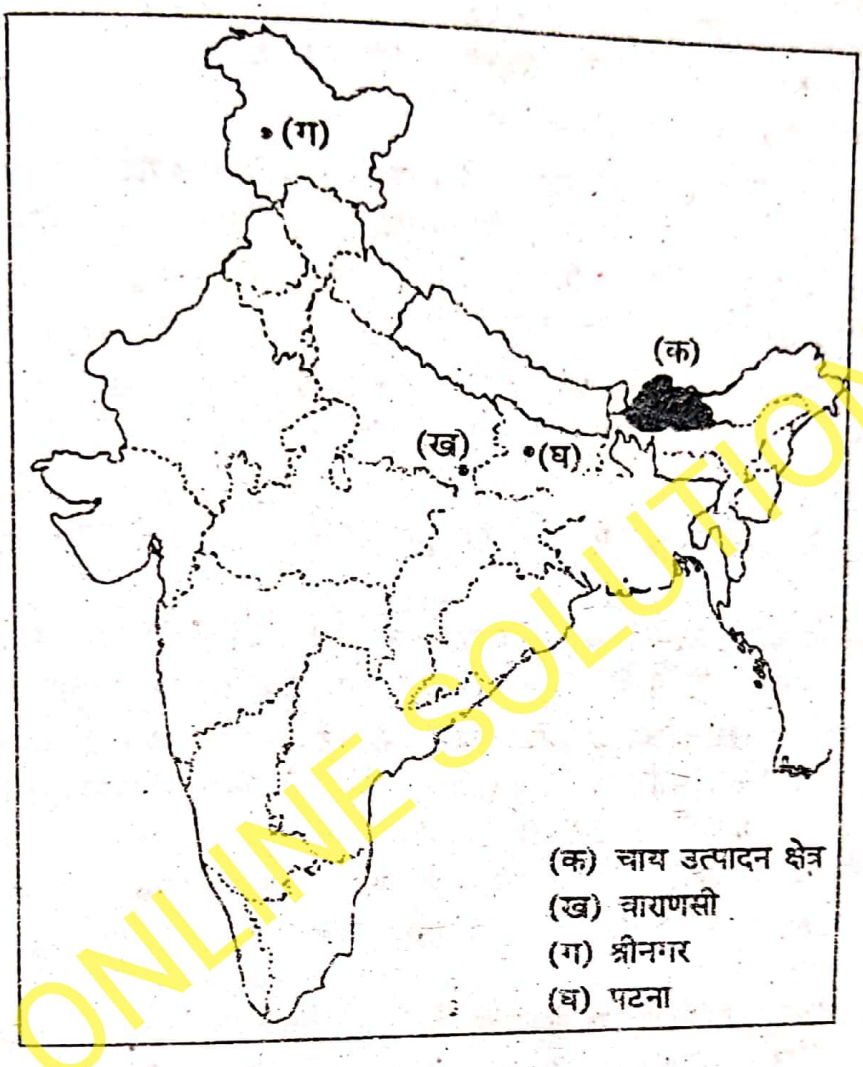


16. (घ) 17. (घ)

18. दल बदल कानून विधायकों और सांसदों के एक दल से दूसरे दल में दल-बदल को रोकने के लिए संविधान में संशोधन कर कानून बनाया गया है। इसे ही दल-बदल कानून कहते हैं।

19. भारतीय स्वतंत्रता के छः दशक के बाद भी जातिगत असमानता में किसी प्रकार का महत्त्वपूर्ण परिवर्तन देखने को नहीं मिला है। भारतीय समाज पूर्णरूप से अगड़े और पिछड़े जातियों में विभाजित हो गया है। आज वैश्वीकरण के जमाने में चतुर्दिश आर्थिक विकास के कारण जाति-व्यवस्था के पुराने स्वरूप में अल्प परिवर्तन दिखा रहा है।

आज भी शादी-विवाह अपने जाति में ही होता है। कुछ जातीय समुदाय अभी भी शिक्षा से वंचित है। ऊँची जाति के लोगों की आर्थिक स्थिति सबसे अच्छी है। दलितों एवं आदिवासियों की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है। अन्य पिछड़ी जातियों की स्थिति मध्यवर्ती है।

20. 'चिपको आंदोलन' का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों का जल, जंगल, जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण था। सरकार से यह माँग की गई थी कि जंगल की कटाई का कोई भी ठेका बाहरी व्यक्तियों को न दिया जाए।

21. 2015 (A) (प्रथम पाली) के प्रश्न-संख्या 21 (अथवा) का उत्तर देखें।

**अथवा,**

बिहार के लोकतंत्र में जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद जैसी बुराइयाँ हैं। यहाँ यह निर्णायक भूमिका निभाती है। परिवारवाद के चलते राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है। ऐसी परिस्थिति में

A A ONLINE SOLUTION

भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति को सुदृढ़ बनाने के लिए कुछ लोग कानून का निर्माण कर इसे साफ-सुथरा बनाने की बात करते हैं। परन्तु वास्तविकता यह है कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का समाधान केवल कानून बनाने से नहीं होगा। जैसे हमारा संविधान अस्पृश्यता को नकारता है, फिर भी बिहार में आज भी अस्पृश्यता कायम है।

**22.** (ख) **23.** (क)

**24.** 2015 (A) (प्रथम पाली) के प्रश्न-संख्या 26 का उत्तर देखें।

**25.** 2011 (A) के प्रश्न-संख्या 42 का उत्तर देखें।

**26.** वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं का एकीकरण होता है। इसके फलस्वरूप वस्तुओं एवं सेवाओं, प्रौद्योगिकी, पूँजी और श्रम का निर्बाध प्रवाह संभव हो पाता है। इसके अंतर्गत बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विदेशों में पूँजी निवेश करके वस्तुओं का उत्पादन शुरू करती हैं तथा विभिन्न प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध कराती हैं।

**27.** बिहार का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है लेकिन आज वही बिहार कई तरह की समस्याओं का शिकार है। गरीबी, बरोजगारी, भ्रष्टाचार तथा अशांति का माहौल है। साधनों के मामले में धनी होते हुए भी बिहार की स्थिति दयनीय है।

**बिहार के पिछड़ेपन के कारण :** आर्थिक दृष्टि से बिहार के पिछड़ेपन के कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं—

(i) **तेजी से बढ़ती जनसंख्या :** बिहार में जनसंख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। इसके चलते विकास के लिए साधन कम हो रहे हैं। अधिकांश साधन जनसंख्या के भरण-पोषण में चला जाता है।

(ii) **आधारिक संरचना का अभाव :** किसी भी देश या राज्य के लिए आधारिक संरचनाओं का होना जरूरी होता है। लेकिन बिहार इस मामले में काफी पीछे है। राज्य में सड़क, बिजली एवं सिंचाई का अभाव है। साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ भी कम हैं।

(iii) **कृषि पर निर्भरता :** बिहार की अर्थव्यवस्था पूरी तरह कृषि पर आधारित है। यहाँ की अधिकांश जनता कृषि पर ही निर्भर है। लेकिन हमारी कृषि की भी हालत ठीक नहीं है। हमारी कृषि काफी पिछड़ी हुई है।

**आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के उपाय :** (i) बिहार में बाढ़ की समस्या का स्थायी निदान किया जाये। (ii) कृषि में उत्पादकता बढ़ाने के लिए पंजाब व हरियाणा के समान कार्य किये जाएँ। (iii) औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया जाये, ताकि रोजगार के साधनों में भी वृद्धि हो। (iv) बिहार में बेरोजगारी को दूर करने के लिए सरकार को निजी क्षेत्र के उद्यमी को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

**अथवा,**

भारत सरकार द्वारा पारित उपभोक्ता की सुरक्षा और संरक्षण हेतु, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 एक महत्वपूर्ण अधिनियम है, जिसमें उपभोक्ता को बाजार में बेची जानेवाली वस्तुओं के संबंध में संरक्षण का अधिकार दिया गया है।

उपभोक्ता संरक्षण के दायरे में सभी वस्तुओं सेवाओं तथा व्यक्तियों, चाहे वह निजी क्षेत्र के हो या सार्वजनिक क्षेत्र को शामिल किया जाता है। इसके तहत उपभोक्ताओं को यह जानने का अधिकार होता है कि वह वस्तु की सेवा की गुणवत्ता, परिणाम क्षमता, शुद्धता, मानक और मूल्य के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके। इसके अतिरिक्त यह भी अधिकार है कि वह इस बात की भी परख कर लें कि उसे जो वस्तु या सेवा मिल रही है, वह खतरनाक तो नहीं है, ताकि वह अपना बचाव कर सके।

उपभोक्ता किसी भी टेलीफोन या मोबाइल से मुफ्त में उपभोक्ता संरक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकता है। राष्ट्रीय उपभोक्ता लाइन नं॰ 180-11-4000 (शुल्क मुफ्त)

**28.** (क) **29.** (घ)

**30.** 2014 (A) (द्वितीय पाली) के प्रश्न-संख्या 30 का उत्तर देखें।

A ONE SOLUTION